शोध मंथन Vol. XII No.III July-Sep. 2021 ISSN: (P) 0976-5255 (e) 2454-339X
Impact Factor 8.354 (SJIF)

बस्ती मण्डल में नगरीकरण का स्तर

प्राप्तिः 27.08.2021
स्वीकृतः 10.09.2021

गणेश त्रिपाठी
शोधार्थी, भूगोल विभाग
बुद्ध पी० जी० कॉलेज, कुशीनगर
सम्बद्ध दीनदयाल उपाध्याय, गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर
ईमेलः *ganeshtripathigkp@gmail.com*

सारांश

मानव के लिए नगर हमेशा से विशेश आकर्शण का केन्द्र रहे है। भारत में नगरीकरण के स्तर में वृद्धि स्वतन्त्रता के बाद ही देखी गयी। स्वतन्त्रता के बाद नगरीय केन्द्रों में औद्योगिक, शैक्षिक, स्वास्थ्य और प्रशासनिक सुविधाओं के बढ़ने के कारण ग्रामीण जनसंख्या का नगरो की ओर प्रवसन हुआ जिससे नगरीय जनसंख्या में तीव्र वृद्धि हुई। वर्तमान अध्ययन क्षेत्र में भी नगरीय जनसंख्या में वृद्धि हो रही है परन्तु यह काफी धीमी है। जनगणना 2011 के अनुसार बस्ती मण्डल की नगरीय जनसंख्या 429399 है जो सम्पूर्ण जनसंख्या की 6.37 प्रतिशत है। इस शोध पत्र के माध्यम से अध्ययन क्षेत्र में नगरीकरण के स्तर का विश्लेशण किया गया है।

मूल बिन्दू

नगर, नगरीकरण, आर्कषण का केन्द्र, नगरीय केन्द्र, प्रवसन।

प्रस्तावना

किसी देश या प्रदेश की जनसंख्या से आशय उस देश या प्रदेश की सीमा में एक निश्चित समय पर निवसित जनसंख्या से होता है जबकि नगरीय जनसंख्या से आशय एक निश्चित समय पर नगरीय अधिवास में निवास करने वाली जनसंख्या से होता है। नगरीकरण का तात्पर्य ग्रामीण जनसंख्या का परिवर्तन नगरीय जनसंख्या में होने से है। अतः कहा जा सकता है कि प्राथमिक कार्यो में संलग्न जनसंख्या जब स्वव्यवसाय बदल कर गैर प्राथमिक कार्यो में संलग्न होकर नगरीय अधिवासों में जा बसती है तो जनसंख्या के इस रूपान्तरण्ण– आवास व पेशे में बदलाव को नगरीकरण कहा जाता है। भारत की नगरीय सभ्यता अत्यन्त प्राचीन है। हडप्पा और मोहनजोदड़ों तथा इनसे सम्बन्धित अन्य स्थल प्राचीन विकसित सभ्यता के सर्वश्रेश्ठ उदाहरण है। नगर आधुनिक जीवन के आधार तथा विकसित जीवन प्रणाली के रूप में कार्य करते है। भारत में नगरीय जनसंख्या में वर्षद्धि स्वतन्त्रता के बाद देखी गयी। 1951 में भारत की नगरीय जनसंख्या मात्र 17.34 प्रतिशत थी जो 2011 में बढ़कर 31.16 हो गयी। वही 1951 में उत्तर प्रदेश की नगरीय जनसंख्या 13.65 प्रतिशत थी जो 2011 में बढ़कर 22.28 प्रतिशत हो गयी। इसी प्रकार बस्ती मण्डल की जो जनसंख्या 1951 में सिर्फ 1.91 प्रतिशत थी वह 2011 में बढ़कर 6.37 प्रतिशत हो गयी। इस प्रकार कर्षशि प्रधान क्षेत्र होने के कारण अध्ययन क्षेत्र में नगरीकरण की दर अत्यन्त धीमी है तथा यह नगरीकरण की प्रारम्भिक अवस्था में है। औद्यौगिकरण, रोजगार के अवसरों की उपलब्धता, शैक्षिक तथा स्वास्थ्य सुविधाएं नगरीकरण के कारक के रूप में कार्य करती है।

स्थिति एवं विस्तार

बस्ती मण्डल उत्तर प्रदेश के उत्तर पूर्वी भाग में एक समतल मैदानी भाग है जो सरयूपार मैदान में स्थित है। बस्ती मण्डल में तीन जिले बस्ती, सिद्धार्थनगर तथा संतकबीर नगर शामिल है जिसका अक्षांशीय विस्तार $26^{0}13'$ से $27^{0}31'$ उत्तरी अक्षांश तथा $82^{0}17'$ से $83^{0}17'$ पूर्वी देशान्तर के मध्य पाया जाता है। यह क्षेत्र उत्तर में नेपाल, पूर्व में गोरखपुर मण्डल, दक्षिण में फैजाबाद मण्डल तथा पश्चिम में देवीपाटन मण्डल द्वारा सीमांकित है। बस्ती मण्डल का कुल भौगोलिक क्षेत्र 7229.00 वर्ग किमी0 है। अध्ययन क्षेत्र में 12 तहसील, 37 विकास खण्ड 7528 राजस्व ग्राम, 4 नगरपालिका परिशद तथा 9 नगर पंचायत है। इस मण्डल की कुल जनसंख्या 6738944 है। जिसमें पुरूश जनसंख्या 3420023 तथा महिला जनसंख्या 3318921 है। इस क्षेत्र की ग्रामीण जनसंख्या 6311625 है, जो सम्पूर्ण जनसंख्या की लगभग 93.65 प्रतिशत है तथा नगरीय जनसंख्या 42939 है, जो सम्पूर्ण जनसंख्या की लगभग 6.37 प्रतिशत है। इस क्षेत्र की औसत साक्षरता 65.39 प्रतिशत है जिसमें पुरूश साक्षरता 75.71 प्रतिशत तथा महिल साक्षरता 52.81 प्रतिशत है।

उद्देश्य

(1) बस्ती मण्डल में नगरीय जनसंख्या का विभिन्न जनगणना वर्शो में वषद्धि का अध्ययन करना।

(2) बस्ती मण्डल में नगरीकरण के स्तर का विश्लेशण करना।

मानचित्र – 01

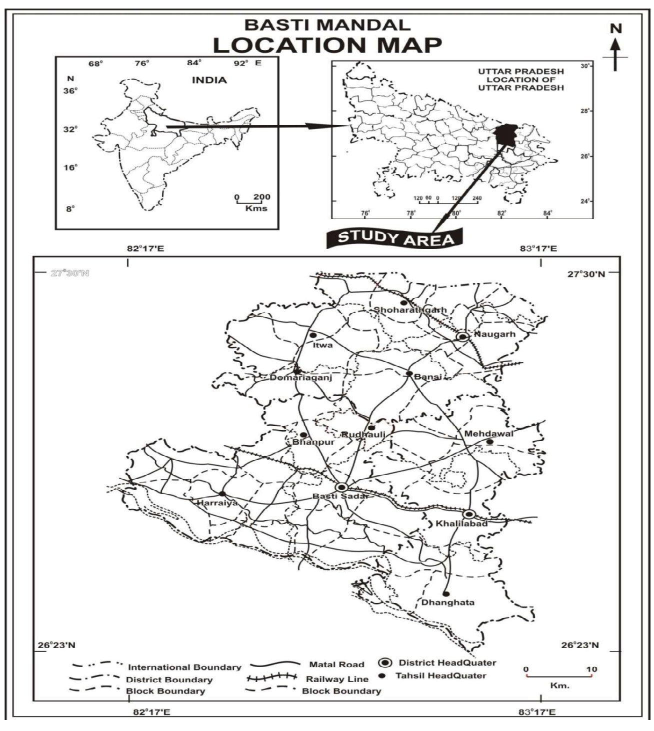

शोध विधि तन्त्र

प्रस्तुत अध्ययन में प्रमुख रूप से द्वितीयक आकड़ों का प्रयोग किया गया। बस्ती मंडल की नगरीय जनसंख्या के ऑकड़ों के लिया “DISTRICT CENSUS HAND BOOK SIDDHARTH NAGAR, SANTKABIR NAGAR, BASTI” का प्रयोग किया गया है और यथा स्थान आकड़ों की गणना व मानचित्रण का कार्य भी किया गया है।

बस्ती मण्डल में नगरीय जनसंख्या वृद्धि

एक निश्चित समय काल में किसी क्षेत्र विशेश की जनसंख्या में होने वाले मात्रात्मक परिवर्तन को जनसंख्या परिवर्तन या जनसंख्या वर्षद्धि कहा जाता है। जनसंख्या वर्षद्धि में परिवर्तन दो प्रकार से देखा जा सकता है – धनात्मक परिवर्तन और ऋणात्मक परिवर्तन।

सारणी – 01

क्र. सं.	वर्ष	कुल जनसंख्या	दशकीय अन्तर	नगरीय जनसंख्या	दशकीय अन्तर	नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत
1	1951	2386246	–	45670	–	1.91
2	1961	2625755	10.04	38304	–15.91	1.46
3	1971	2984090	13.65	75299	96.07	2.52
4	1981	3578069	19.90	171905	128.30	4.80
5	1991	4446407	24.27	235334	36.90	5.29
6	2001	5545125	24.71	330869	40.60	5.97
7	2011	6738944	21.53	429399	29.78	6.37

मानचित्र – 02

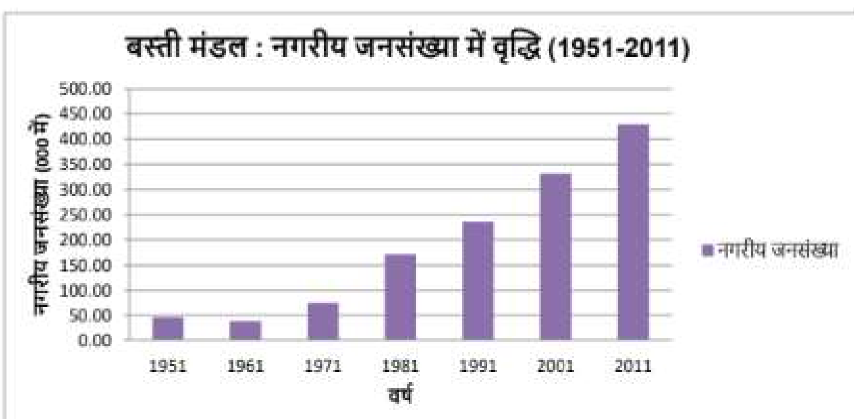

सारणी सं0 01 से स्पश्ट है कि 1951 में बस्ती मण्डल की नगरीय जनसंख्या 45670 थी जिसमें 1961 ई0 में ऋणात्मक वषद्धि दर देखी गयी और इसकी जनसंख्या 38403 हो गई। इसके बाद 1971 में नगरीय जनसंख्या में 96.07 की तव्र वषद्धि देखी गयी तथा नगरीय जनसंख्या 75299 हो गई। बस्ती मण्डल में नगरीय जनसंख्या की सर्वाधिक वषद्धिदर 1981 में हुई जो 128.30 प्रतिशत वषद्धि के साथ 171905 हो गई। इस प्रकार यदि देखा जाय तो अध्ययन क्षेत्र में 1951 से 2011 के मध्य कुल नगरीय जनसंख्या में 3.83 लाख की वषद्धि हुई। वही दूसरी तरफ कुल जनसंख्या में 43. 52 लाख की वषद्धि देखी गयी।

तलिका 01 देखने से स्पश्ट होता है कि बस्ती मण्डल की नगरीय जनसंख्या वषद्धिदर में काफी भिन्नता है। नगरीय जनसंख्या में वषद्धि का मुख्य कारण गॉवों से नगरों की ओर जनसंख्या का स्थानान्तरण है तथा एक अन्य कारण जनसंख्या की प्राकषतिक वषद्धि है।

नगरीकरण का स्तर

नगरीकरण के अन्तर्गत ग्रामीण और नगरीय जनसंख्या का अनुपात बदलता रहता है। इस बदलाव से उत्पन्न सम्बन्ध का सामान्यतः प्रतिशत में व्यक्त किया जाता है। जिसके द्वारा किसी क्षेत्र में नगरीकरण के स्तर का पता लगाया जाता है। कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत निकालकर नगरीकरण के स्तर को व्यक्त किया जा सकता है।

सारणी – 02

बस्ती मण्डल में नगरीकरण का स्तर

क्र. सं.	तहसील	कुल जनसंख्या	नगरीय जनसंख्या	नगरीय जनसंख्या प्रति०
1	हरैया	926508	23440	2.53
2	भानपुर	359574	–	–
3	बस्ती	887237	114657	12.92
4	रूधौली	152523	–	–
5	खलीलाबाद	630514	89349	14.17
6	मेहढावल	449801	27897	6.20
7	थनघटा	506337	11285	2.23
8	ड़टवा	398053	8253	2.07
9	डुमरियागंज	486099	37697	7.75
10	शोहरतगढ़	278379	23818	8.56
11	नौगढ़	677355	49866	7.36
12	बॉसी	557165	41057	7.37

मानचित्र – 03

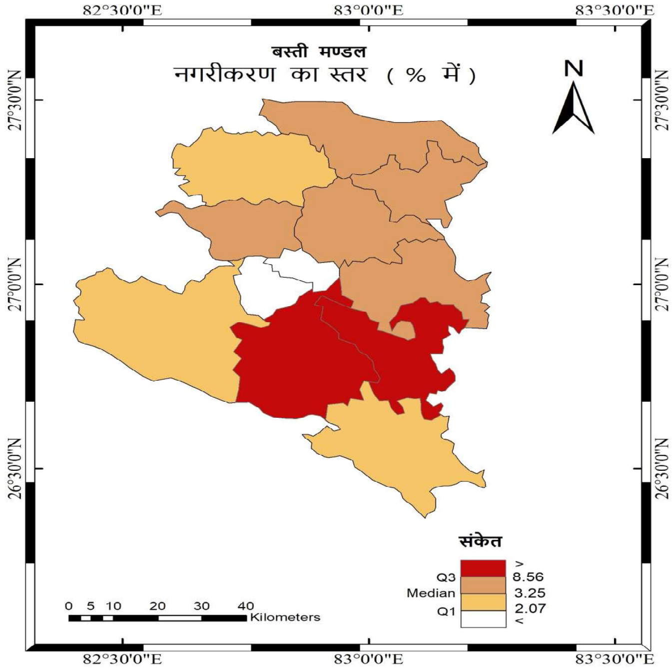

सारणी 0 2 के आधार पर अध्ययन क्षेत्र की नगरीकरण स्तर को चार भागों बॉटा जा सकता है

1– उच्च स्तरी नगरीकरण क्षेत्रः– उच्च स्तरीय नगरीकरण क्षेत्र के अन्तर्गत अध्यन क्षेत्र के दो तहसील खलीलाबाद व बस्ती आते है। इनकी नगरीय जनसंख्या प्रतिशत क्रमशः 14.17 और 12. 92है।

2– मध्यम स्तरीय नगरीकरण क्षेत्रः– इसके अन्तर्गत अध्ययन क्षेत्र के पॉच तहसील आते है जो क्रमशः शोहरतगढ़ (8.56 प्रतिशत), डुमरियागंज (7.75प्रतिशत), बॉसी (7.37 प्रतिशत), नौगढ़ (7.36 प्रतिशत) और मेहदावल(6.20 प्रतिशत) है।

3– निम्नस्तरीय नगरीकरण क्षेत्रः– इसके अन्तर्गत अध्ययन क्षेत्र के तीन तहसील हरैया (2. 53 प्रतिशत), धनघट (2.23 प्रतिशत) और इटवा (2.07 प्रतिशत) शामिल है।

4– नगरीकरण विहीन क्षेत्रः– बस्ती मण्डल के भानपुर और रूधौली तहसील में नगरीकरण का अभाव पाया जाता है।

निश्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन में नगरीकरण के स्तर के विश्लेशण से स्पश्ट है कि बस्ती मंडल में नगरीय जनसंख्या के तहसीलवार वितरण में असमानता व्याप्त है। एक और जहॉ खलीलाबाद में जनपद मुख्यालय व औद्यौगिक क्षेत्र होने के कारण तथा बस्ती तहसील में जनपद व मंडल मुख्यालय होने के कारण नगरीकरण का उच्च स्तर पाया जाता है वही कषशि प्रधान क्षेत्र तथा अवस्थापनात्मक तत्वों

की कमी के कारण भानपुर तथा रूधौली में नगरीय जनसंख्या का अभाव पाया जाता है। इस प्रकार देखा जा सकता है कि अध्ययन क्षेत्र में ग्रामीण जनसंख्या का प्रवास मुख्यतः जनपद मुख्यालयों पर अवस्थापनात्मक सुविधाओं के विकास के कारण अधिक हुआ है। अतः यह कहा जा सकता है कि अध्ययन क्षेत्र के अन्य भागों में अवस्थापनात्मक तत्वों शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग तथा रोजगार में वर्षद्धि नगरीकरण व नगरीकेन्द्रों के विकास में सहायक सिद्ध होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. राव,बी.पी. एवं शर्मा, नन्देश्वर (2014–15) नगरीय भूगोल, वसुन्धरा प्रकाशन, गोरखपुर।
2. बंसल, सुरेश चन्द (2018)ःनगरीय भूगोल, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ
3. गौड, रचना (2008) : नगर विकास के नये आयाम
4. मण्डल, रामबहादुर (2012) नगरीय भूगोल की रूपरेखा।
5. जनपद जनगणना पुस्तिका (2011) बस्ती सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर।
6. सांख्यिकीय पत्रिका बस्ती, सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर।